चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.06.2020	02	03-06

काम की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : प्रो.सिंह

एचएयू में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर वेबिनार आयोजित

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कंसोर्टियम ऑफ ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर (सेरा) जे-गेट के माध्यम से प्रदत सूचना स्त्रोतों के बारे में अवगत कराने एवं उनके उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण देने के लिए किया गया।

वेबिनार में मुख्यअतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिआरिज्म सॉफ्टवेयर इत्यादि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि वैज्ञानिकों को उच्च कोटि के प्रकाशन प्रकाशित करने का प्रशिक्षण प्रदान करें।

वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते एचएयू वीसी प्रोफेसर के.पी.सिंह।

कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने भी विचार रखे। वेबिनार के आयोजन सचिव सुनील कुमार जोशी, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने वेबिनार के शुरू में सभी का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आईसीएआर संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है तथा यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है, उस समय भी सेरा रिमोट लॉगिन के द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है। इसके बाद इन्फॉर्मेटिक्स पब्लिशिंग लिमिटेड, दिल्ली से वेबिनार में शामिल वक्ताओं संजय ग्रोवर, सी. ई. ओ. और देवेंदर कुमार ठाकुर, राष्ट्रीय सेल्स मैनेजर ने सेरा द्वारा प्रदत एवं जे-गेट के प्लेटफार्म के माध्यम से उपलब्ध स्त्रोतों के उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया एवं जे-गेट प्लेटफार्म में समाहित की गई नई विशेषताओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं इस कार्यक्रम के सहायक सचिव डॉ. भानु प्रताप एवं डॉ. राजिंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वेबिनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (आई.सी.ए.आर.) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.06.2020	04	05-08

अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : कुलपति

हिसार, 25 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया। वैबीनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे जबकि डायरैक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकृचर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरैक्टर डा. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वैबीनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्

वैबीनार में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

(आई.सी.ए.आर.) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्त्ताओं ने भाग लिया। वैबीनार का आयोजन कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं इन्फार्मेटिक्स पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया था। वैबीनार का आयोजन कंसोर्टियम ऑफइ-रिसोर्सेज इन एग्रीकृचर (सेरा) जे-गेट के माध्यम से प्रदत सूचना स्त्रोतों के बारे में अवगत कराने एवं उनके उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर किया गया था। वैबीनार को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारना चाहिए। कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि डा. सतेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति और हमें ज्ञान के स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.06.2020	02	02-04

अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : केपी सिंह

एचएयू में अवेयरनेस ऐंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज पर वेबिनार आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो

वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते एचएयू के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अवेयरनेस ऐंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज पर वीरवार को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह मुख्यातिथि थे, जबकि डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वेबिनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

वेबिनार का आयोजन कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं इंफार्मेटिक्स पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया। वेबिनार का आयोजन कंसोर्टियम ऑफ इ-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर (सेरा) जे-गेट के माध्यम से प्रदत सूचना स्रोतों के बारे में अवगत कराने एवं उनके उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर किया गया था। वेबिनार में प्रोफेसर केपी सिंह ने संबोधित किया कि सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिअरिज्म सॉफ्टवेयर आदि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और हमें ज्ञान के स्रोतों का उपयोग करना चाहिए, तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा।

300 जर्नल का एक्सेस

वेबिनार के आयोजन सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली के कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय के सुनील कुमार जोशी ने बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आईसीएआर संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है। यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में है, जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है। ऐसे समय में भी सेरा रिमोट लॉगिन द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है।

प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तर कार्यक्रम

इन्फॉर्मेटिक्स पब्लिशिंग लिमिटेड दिल्ली से वेबिनार में शामिल वक्ताओं सीईओ संजय ग्रोवर, राष्ट्रीय सेल्स मैनेजर देवेंद्र कुमार ठाकुर ने सेरा द्वारा प्रदत एवं जे-गेट के प्लेटफार्म के माध्यम से उपलब्ध स्रोतों के उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तर कार्यक्रम भी रखा गया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक सचिव डॉ. सीमा परमार ने किया। नेहरू पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं इस कार्यक्रम के सहायक सचिव डॉ. भानु प्रताप एवं डॉ. राजिंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	25.06.2020	--	--

कृषि वैज्ञानिक प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारें : कुलपति

हिसार/25 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह मुख्यातिथि थे जबकि डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिअरिज्म सॉफ्टवेयर इत्यादि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि वैज्ञानिकों को उच्च कोटि के प्रकाशन प्रकाशित करने का प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने नेहरु पुस्तकालय द्वारा कोविड महामारी के समय अपने पाठकों को निरंतर अपनी सूचना सेवाएं प्रदान करने पर भी बधाई दी। कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति और हमें ज्ञान के स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा। वेबिनार के आयोजन सचिव सुनील कुमार जोशी ने बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आईसीएआर संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है तथा यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में, जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है, उस समय भी सेरा रिमोट लॉगिन के द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है। इसलिए सभी पाठक इन्टरनेट के माध्यम से इस सुविधा का उपयोग घर बैठे अपने मोबाइल पर या लैपटॉप इत्यादि पर प्राप्त कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	25.06.2020	--	--

अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : प्रोफेसर के.पी.सिंह

अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे जबकि डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वेबिनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (आई.सी.ए.आर.) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिअरिज्म सॉफ्टवेयर इत्यादि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि वैज्ञानिकों को उच्च कोटि के प्रकाशन प्रकाशित करने का प्रशिक्षण प्रदान करें।

हिसार। वेबिनार में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर के.पी.सिंह।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति और हमें ज्ञान के स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा। वेबिनार के आयोजन सचिव सुनील कुमार जोशी, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने वेबिनार के प्रारंभ में सभी का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आई.सी.ए.आर. संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है तथा यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में, जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है, उस समय भी सेरा रिमोट लॉगिन के द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है। वेबिनार के अंत में वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार पटेरिया, प्रोफेसर, नेहरु लाइब्रेरी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं इस कार्यक्रम के सहायक सचिव डॉ. भानु प्रताप एवं डॉ. राजिंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	25.06.2020	--	--

हकृवि में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : प्रो. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे जबकि डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वेबिनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (आईसीएआर) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वेबिनार का आयोजन कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं इन्फार्मेटिक्स पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया था। वेबिनार का आयोजन कंसोर्टियम ऑफ इ-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर

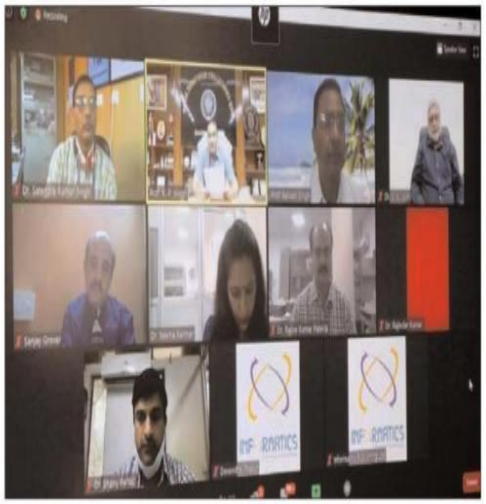

(सेरा) जे-गेट के माध्यम से प्रदत सूचना स्त्रोतों के बारे में अवगत कराने एवं उनके उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर किया गया था।

वेबिनार को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिअरिज्म सॉफ्टवेयर इत्यादि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि वैज्ञानिकों को उच्च कोटि के प्रकाशन प्रकाशित करने का प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने नेहरू पुस्तकालय द्वारा कोविड महामारी के समय अपने पाठकों को निरंतर अपनी सूचना सेवाएं प्रदान करने पर भी बधाई दी।

कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति और हमें ज्ञान के स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा। वेबिनार के आयोजन सचिव सुनील कुमार जोशी, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने वेबिनार में बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आईसीएआर संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है तथा यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में, जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है, उस समय भी सेरा रिमोट लॉगिन के द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है। इसलिए सभी पाठक इन्टरनेट के माध्यम से इस सुविधा का उपयोग घर बैठे अपने मोबाइल पर या लैपटॉप इत्यादि पर प्राप्त कर रहे हैं। नेहरू पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने भी सभी का औपचारिक स्वागत किया। इन्फार्मेटिक्स पब्लिशिंग लिमिटेड, दिल्ली से वेबिनार में शामिल वक्ताओं संजय ग्रोवर, सीईओ और देवेंदर कुमार ठाकुर, राष्ट्रीय सेल्स मैनेजर ने सेरा द्वारा प्रदत एवं जे-गेट के प्लेटफार्म के माध्यम से उपलब्ध स्त्रोतों के उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया एवं जे-गेट प्लेटफार्म में समाहित की गई नई विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। अंत में वेबिनार के आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक सचिव डॉ. सीमा परमार ने किया। इस अवसर पर सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के सहायक सचिव डॉ. भानु प्रताप व डॉ. राजिंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	25.06.2020	--	--

अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : वीसी

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे जबकि डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वेबिनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (आई.सी.ए.आर.) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वेबिनार का आयोजन कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं इन्फार्मेटिक्स पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया था।

वेबिनार का आयोजन कंसोर्टियम ऑफ इ-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर (सेरा) जे-गेट के

माध्यम से प्रदत सूचना स्त्रोतों के बारे में अवगत कराने एवं उनके उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर किया गया था।

वेबिनार को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिअरिज्म सॉफ्टवेयर इत्यादि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि वैज्ञानिकों को उच्च कोटि के प्रकाशन प्रकाशित करने का प्रशिक्षण प्रदान करें।

कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति और हमें ज्ञान के स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा। वेबिनार के आयोजन सचिव श्री सुनील कुमार जोशी, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने वेबिनार के प्रारंभ में सभी का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आई.सी.ए.आर. संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है तथा यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में, जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है, उस समय भी सेरा रिमोट लॉगिन के द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	25.06.2020	--	--

रिसर्च में नई तकनीकों का अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : प्रो. के.पी.सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 जून : देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम् होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यू.एस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण मे शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान् किया कि वे रिसर्च में रिसर्च को बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दक्की, जेसिका अगन्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साफ्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको ओर अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	25.06.2020	--	--

ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर वेबिनार आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ रिफ्रेड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी.सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि यह वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि इस वेबिनार में भाग लेने के बाद संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी गेटवे के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के

चलते कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने ई-संसाधन : अतीत, वर्तमान और भविष्य पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से ई-संसाधनों की विस्तृत श्रंखला प्रस्तुत की। इसके बाद रेफ्रिड टीम ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उपयोगकर्ता को रिमोट लॉगिन सुविधा के साथ रेफ्रिड प्लेटफार्म का उपयोग और बड़ी संख्या में संसाधन का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा इससे संबंधित कई प्रश्न पूछे गए और वेबिनार के दौरान ही प्रस्तुतकर्ताओं द्वारा उनके उत्तर दिए गए। इस वेबिनार की आयोजक सचिव डॉ. सीमा परमार ने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की और डॉ. राजेंद्र कुमार सहायक लाइब्रेरियन ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हेलो हिसार न्यूज	25.06.2020	--	--

अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता को निरंतर सुधारें वैज्ञानिक : प्रोफेसर के.पी.सिंह

हैलो हिसार न्यूज : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में अवेयरनेस एंड यूज ऑफ सेरा रिसोर्सेज थ्रू जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे जबकि डायरेक्टरेट ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर, दिल्ली के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि थे। वेबिनार में देशभर के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, डीम्ड कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् (आई.सी.ए.आर.) के समस्त संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्ष व कर्मचारियों तथा कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वेबिनार का आयोजन कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् एवं इन्फार्मेटिक्स पब्लिशिंग प्राइवेट

लिमिटेड के सहयोग से किया गया था। वेबिनार का आयोजन कंसोर्टियम ऑफ इ-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर (सेरा) जे-गेट के माध्यम से प्रदत सूचना स्त्रोतों के बारे में अवगत कराने एवं उनके उपयोग को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर किया गया था।

वेबिनार को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा सभी कृषि वैज्ञानिकों को अपने प्रकाशनों की गुणवता को निरंतर सुधारना चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिकों को तकनीकी लेखन, रेफेरेंस मैनेजमेंट, एंटी प्लागिअरिज्म सॉफ्टवेयर इत्यादि टूल्स का उपयोग सीखकर अपने प्रकाशनों को उच्च कोटि की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कृषि संस्थानों में कार्यरत पुस्तकालय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे कृषि वैज्ञानिकों को उच्च कोटि के प्रकाशन प्रकाशित करने का प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने नेहरु पुस्तकालय द्वारा कोविड महामारी के समय अपने पाठकों को निरंतर अपनी सूचना सेवाएं प्रदान करने पर भी बधाई दी।

कार्यक्रम में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि डॉ. सतेंद्र कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति और हमें ज्ञान के स्त्रोतों का उपयोग करना चाहिए तभी कृषि क्षेत्र अनुसंधान में अग्रणी रह पाएगा। वेबिनार के आयोजन सचिव श्री सुनील कुमार जोशी, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली ने वेबिनार के प्रारंभ में सभी का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सेरा भारत के समस्त कृषि विश्वविद्यालय, आई.सी.ए.आर. संस्थानों को 3000 से ज्यादा फुल-टेक्स्ट वैज्ञानिक पत्रिकाओं (जर्नल) का एक्सेस प्रदान करता है तथा यह सुविधा कोविड-19 महामारी के काल में, जबकि समस्त विश्वविद्यालय एवं संस्थान बंद है, उस समय भी सेरा रिमोट लॉगिन के द्वारा भारत के समस्त कृषि वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को प्रदान कर रहा है। इसलिए सभी पाठक इन्टरनेट के माध्यम से इस सुविधा का उपयोग घर बैठे अपने मोबाइल पर या लैपटॉप इत्यादि पर प्राप्त कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पब्लिक ऐप्प (ऑडियो)	25.06.2020	--	--